

हिन्दुस्तानी

(त्रैमासिक शोध एवं सृजन पत्रिका)

SALTOC Project
Title: Hindustānī
Imprint: Ilāhābāda : Hindustānī Ekeḍemī
OCLC: 1752083
Volume 69 number 4 (Oct-Dec 2008)
TOC Supplied by: Center for Research Libraries

अक्टूबर-दिसम्बर
सन् - २००८

भाग - ६९
अंक - ४

सम्पादक
डॉ० एस० के० पाण्डेय
पी०सी०एस०
सचिव

सहायक सम्पादक
ज्योतिर्मयी



हिन्दुस्तानी एकेडेमी
इलाहाबाद

मूल्य : ३० रुपये

वार्षिक : १२० रुपये

अनुक्रम

□ सम्पादकीय

□ आलेख

- | | | |
|---|-----------------------------|-----|
| ● कन्हैया लाल सेठिया की काव्य-चेतना और शिल्प | — प्रो० रामकिशोर शर्मा | 18 |
| ● वर्तमान भारतीय परिवेश और शैक्षिक मूल्यवत्ता का केन्द्र बिन्दु | — डॉ० कीर्तिकुमार सिंह | 180 |
| ● हिन्दी आलोचना का लोकतंत्र और साहित्यिक सरोकार | — डॉ० आशा उपाध्याय | 128 |
| ● लोक-कला : संघर्ष का मूर्त रूप | — नन्दल हितैषी | 186 |
| ● वाङ्मय-पुरुष-अभ्यर्चन : शेमुषी | — शिवशंकर त्रिपाठी | 123 |
| ● परम्परा के बीच नई राह के अन्वेषक : संत रविदास | — नीरज शर्मा | 126 |
| ● करुणविप्रलम्भ-परिशीलन | — डॉ० अमिय कुमार मिश्र | 131 |
| ● गुरुनानकदेव की सामाजिक दृष्टि का विश्लेषणात्मक अध्ययन | — डॉ० शिवशंकर श्रीवास्तव | 189 |
| ● प्रसाद एवं निराला : एक तुलनात्मक अध्ययन | — डॉ० कमलेश सिंह | 143 |
| ● बाण के काल में वर्णित शाक्त धर्म | — संगीता कन्नौजिया | 149 |
| ● संस्कृत में विज्ञान | — डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह | 161 |
| ● राष्ट्रकवि दिनकर और उनके प्रमुख काव्य | — डॉ० दादूराम शर्मा | 168 |
| ● फणीश्वरनाथ रेणु के कथा-साहित्य में लोक-जीवन | — डॉ० उमेश कुमार मिश्र | 178 |
| ● प्रयाग में ऐतिहासिक हिन्दी संस्थाएँ | — डॉ० एस० के० पाण्डेय | 189 |
| ● हिन्दी पत्रकारिता के विकास में भारतेन्दु युग की भूमिका | — सीमा शर्मा | 199 |
| ● देवरिया जनपद में स्वतन्त्रता संग्राम का अन्तिम चरण (१९४२-४७) | — अजय कुमार मिश्र | 190 |
| ● प्रो० सुरेशचन्द्र पाण्डेय काव्यशास्त्रीय आचार्य : एक समीक्षा | — डॉ० अरुण कुमार त्रिपाठी | 190 |
| ● निर्मल वर्मा की रचना प्रक्रिया और 'कव्वे और काला पानी' का समाजशास्त्र | — डॉ० मधुप कुमार | 199 |
| ● भाषा-शिक्षण की परम्परागत प्रविधि | — डॉ० उषा माथुर | 199 |
| ● कृष्णा सोबती का रचनात्मक वैशिष्ट्य | — डॉ० श्री निवास मिश्र | 199 |
| ● हिन्दी सन्त-काव्य और मानवतावाद | — डॉ० अर्चना शर्मा | 199 |
| ● श्री सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी की कविता | | 197 |
| ● आपके पत्र | | 197 |